## इन्टरव्यू ४१

प्र: आपका नाम क्या है ?
ज: हमारा नाम कमूद्दिन है।

प्र: आपकी उम्र क्या होगी ?
ज: अरे हमारी उम्र बहुत होगी तीस होगी।

प्र: कितने साल से आप बुनकारी कर रहे है ?
ज: बुनकारी हम कम से कम 20 बरस से कर रहे हैं।

प्र: ये करघा आपका है?
ज: हां ये सब हमारे है।

प्र: तानी बाना सब आपके है ?
ज: नहीं ये दोनो करघे हैं हमारे तानी बाना सब उसके है हम साड़ी तैयार करके देंगे। सब माल में पैसा न लगेगा।

प्र: तो एक पर मजदूर है, एक पर आप हैं ?
ज: वो जो मजूरा है न वो हमारा भाई लगेगा बचपने से सीखाया है तो भाइये न हुआ?

प्र: तो ये बताइये आपके पास इतने ही करघे थे कि और भी था ?

ज: नहीं दुठे आउर थे। बन्द कर दिया।

**( कैसेट संख्या ६ आरम्भ )**

प्र: क्यों ?
ज: बारिस की वजह से, पानी भर जाता है।

प्र: अभी तो बारीस नही है तो क्यों नहीं चल रहा है ?
ज: नहीं हम एक दम बन्द कर दिये क्योंकि पहले जैसा काम नहीं है। मंहगाई बढ़ गई है मजूरी वही है कहां से लिया के दिया जायगा कारीगर को। इसको लगाने से इसका खर्चा भी तो चाहिए बहुत से कारखाने बन्द हो गए इसी वजह से। जैसे इसकी 500 रुपया मजूरी। और मोड़ पर जगह लिया तो देना पड़ेगा न भाड़ा। इस वजह से बन्द कर दिया।

प्र: तो बारीस की वजह से जो यहां पानी भर जाता है और दूसरा जगह ?
ज: यह खुद का मकान है अपना।

प्र: सरकार की तरफ से कोई जगह नहीं हो जाती है ?
ज: सरकार पायेगी तो ले लेगी।

प्र: बुनकर कालोनी की बात जो बता रहे थे ?
ज: हां वह मकान बना कर दिये है। वे पैसा न लिये है पहले छप्पन सौ रुपया फिर किश्त भी देना पड़ेगा।

प्र: आप नहीं जायेंगे वहां ?
ज: बहुत दूर है जंगल है औश्र पैसा कुल पन्चान्बे हजार रुपया (95000) देना पड़ेगा। धीरे धीरे देना पड़ेगा। इस तरीके से बस्ती बसी। सब बुनकर है।

प्र: नाटी ईमली में भी तो बुनकर बसे है ?
ज: हां वह दूर नहीं है यह एक दम दूर है चुनार के रास्ते। हम लोग वहां एक घन्टा नहीं रह सकते। बचपने से बस्ती में रहे है अब जंगल में रहे वह भी उसी को मिलेगा जो फार्म भरे है। जिनके पास कोई मकान नहीं है उनको।

प्र: आपके मकान में जो पानी भर जाता है आपको नहीं मिलेगा ?
ज: नहीं।

प्र: सिर्फ बुनकरों को मिल रहा है या उनके नाम पर और कोई ले ले ?
ज: बुनकरों को मिलेगा। पर सब बड़े बड़े लोग ले ले रहे हैं बुनकरों के नाम है सिर्फ।

प्र: और कोई सुविधा ?
ज: नही कोई नहीं पैसे बुनकरों को 5 किलो रेशम लेकर चलने का आर्डर है पर पुलिस वाला देखेगा बोलेगा रशिद लेकर आओ। पैसा दो तब छोड़े तो क्या फायदा लाने का। सरकार से कोई न फायदा नहीं है।

प्र: कोई लोन वोन बैंक से ?
ज: लोन देंगे कहां से। आमदनी नहीं है।

प्र: कोई समिति है ?
ज: कोई समिति नहीं है।

प्र: बुनकरों की स्थिति हमेशा से ऐसी है कि खराब हुई है ?
ज: हमेशा से।

प्र: साड़ी का दाम कम हो गई जो आप बता रहे थे ?
ज: नहीं ऐसा कि कल कमाये आज बीमार पड़ गये तो क्या होगा।

प्र: कारण क्या है स्थिति खराब का ?
ज: हम क्या कहे मजूरा आदमी हैं। सरकार जाने आप बोलना जाके। हम तो चाहते है कि मेहनता करके चार दिन में हो जाए किसी तरह का कोई मदद नहीं है कहीं से फायदा नहीं है।